सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 10 • अंक: 241 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, सोमवार, 7 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्रा में डालनी होगी।

-इलोन मस्क

भारतीय महिलाओं ने दी पाकिस्तान... 7 | विपक्ष व कोर्ट सबके निशाने पर योगी... 3 | यूपी के लोगों को सपा से उम्मीदें... 2

सीएम योगी ने जिसको बताया माफिया अफसरों ने उसी को दे दिया नौनिहालों का काम

बाल विकास पुष्टाहार विभाग की निदेशक के एक पत्र से सिंडिकेट और अफसरों की करतूतों से उठा पर्दा

» गर्भवती महिलाओं के मुंह का निवाला छीनकर किया खरबों रुपए का घोटाला

» काली कमाई से देश ही नहीं, विदेशों में संपत्तियां खरीदी गईं

□□□ संजय शर्मा

लखनऊ। जिस सिंडिकेट को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ पुष्टाहार माफिया करार दे चुके हैं। उन्हीं को उप्र के भ्रष्ट अधिकारियों ने फिर से जिम्मेदारी देकर न केवल सीएम को गुमराह किया बल्कि प्रदेश के सबसे बड़े घोटाले को भी अंजाम दिया। प्रदेश के लाखों नौनिहाल और गर्भवती महिलाओं के मुंह का निवाला छीनकर अंजाम दिए गए इस खरबों रुपए के घोटाले की काली कमाई से देश ही नहीं, विदेशों में संपत्तियां खरीदी गई।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसे अंजाम देने वाले सिंडिकेट को खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुष्टाहार माफिया करार दे चुके हैं, लेकिन घोटाला होता रहा। इतना ही नहीं, अफसरों ने घोटालेबाज कंपनियों को बचाने में मुख्यमंत्री कार्यालय को भी गुमराह किया। अब बाल विकास पुष्टाहार विभाग की निदेशक के एक पत्र से सिंडिकेट और अफसरों की करतूतों से पर्दा उठ गया है।

प्रमुख सचिव की सख्ती पर उन्हें हटाया गया

हालांकि विभागीय अफसरों की मिलीभगत से कई कंपनियों ने तब तक अपनी बैंक गारंटी भी वापस ले ली। यह पता लगने पर प्रमुख सचिव वीना कुमारी मीना ने सख्ती करनी शुरू की तो अचानक उनको हटा दिया गया। कंपनियां भुगतान के लिए कोर्ट चली गई। हैरानी की बात यह है कि कंपनियों के बड़े वकीलों का मुकाबला करने के लिए विभाग सरकारी वकीलों के सहारे है। शासन के आदेश पर भी किसी वरिष्ठ वकील की सेवाएं नहीं ली गई । इससे सिंडिकेट की शासन सत्ता में गहरी पैठ का अंदाजा लगाया जा सकता है

अफसरों व नेताओं का ख्याल रखते हैं अजय और आदित्य

इस मामले में सियासी गलियारों और ब्यूरोक्रेसी में अजय और आदित्य नाम के लाइजनर चर्चा में हैं। सिंडिकेट ने उन्हें भुगतान करवाने का काम सौंपा है। शालीमार वन वर्ल्ड में आदित्य का आलीशान फ्लैट अफसरों से डीलिंग का ठिकाना बन चुका है तो नोएडा का अजय नेताओं व अफसरों की सारी सुख सुविधाओं का ध्यान रखता है। अजय से सीबीआई और ईडी दिल्ली के शराब घोटाले में पूछताछ कर चुकी है और चीनी मिल बिक्री घोटाले में बार-बार तलब कर रही है। इस मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद का भाई भी सीबीआई के रडार पर हैं।

लंदन, मारीशस, दुबई और दक्षिण अफ्रीका की संपत्तियों में खपाया घोटाले का पैसा

सूत्रों के अनुसार पुष्टाहार की काली कमाई से सिंडिकेट के सदस्यों ने विदेश में अरबों रुपए की संपत्तियों को खरीदा है, जिसमें लंदन, मारीशस, दुबई और दक्षिण अफ्रीका शामिल है। साथ ही जयपुर, लखनऊ, दिल्ली, नोएडा, गुड़गांव समेत कई बड़े शहरों में होटल, फार्म हाउस, अपार्टमेंट बनाए है।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

पोंटी ग्रुप भी शामिल

पुष्टाहार घोटाले के अहम किरदारों में शराब सिंडिकेट वाला पोंटी चड्ढा ग्रुप भी शामिल है। यह चीनी मिल बिक्री घोटाले में भी शामिल है।

सहारनपुर के खनन माफिया मोहम्मद इकबाल ने भी फर्जी कंपनियां बनाकर चीनी मिलें खरीदी थीं। इससे सिंडिकेट की ताकत और पहुंच का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। दरअसल बसपा सरकार में पुष्टाहार की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के पास फ्लोर मिल और चीनी मिल होने की शर्त रखी गई थी। जिसके बाद सिंडिकेट के सदस्यों ने सरकारी चीनी मिलों को औने-पौने दाम पर खरीदने के साथ पुष्टाहार की आपूर्ति का काम भी हथिया लिया। फिलहाल यह सिंडिकेट पंजाब, छत्तीसगढ और झारखंड में काम कर रहा है।

बसपा सरकार में हुई थी घोटाले की शुरुआत

दरअसल, इस घोटाले की शुरुआत बसपा सरकार में हुई थी, जिसकी पड़ताल सीबीआई भी कर रही है। सीबीआई बसपा सरकार में दो दर्जन सरकारी चीनी मिलों की बिक्री के मामले की पर्तें उधेड़ रही है, जिसके आरोपियों के तार और मिलें खरीदने का मकसद पुष्टाहार सिंडिकेट से जुड़ा है। वर्ष 2017 में भाजपा सरकार आने पर इस सिंडिकेट को काम मिलना बंद नहीं हुआ, नतीजतन घोटाला जारी रहा। तीन साल बाद काम नहीं मिलने पर कंपनियों ने अपना करीब 250 करोड़ रुपए बकाया मांगा तो।फाइलों पर दस्तखत करने पर अफसरों को जेल जाने का डर सताने लगा। कई जिलों के डीएम से जांच कराई गई तो पता चला कि तीन साल तक पुष्टाहार की सप्लाई करने का कंपनियों का दावा फर्जी है। कोरोना काल में जब सबकुछ बंद था, कंपनी पुष्टाहार बांटने का दावा कर उसका भुगतान मांग रही है। लिहाजा जांच के बाद कंपनियों पर उल्टा नियमों का पालन नहीं करने और फर्जी आपूर्ति दर्शाने का आरोप लगाकर 564 करोड़ की रिकवरी के नोटिस जारी कर दिए गए।

यूपी के लोगों को सपा से उम्मीदें बढ़ीं : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार ने जनता से किए सिर्फ झूठे वादे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार चलने वाली नहीं, गिरने वाली है। भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों को धोखा दिया है। उसकी गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान है। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किए।

वे पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान और गरीब की मदद होनी चाहिए। खाद और बीज के संकट से किसान परेशान है। आज जनता सपा की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करना है। सेक्टर से लेकर बूथ लेवल तक लगातार कार्यकर्ता बनाना है। सभी का व्यवहार और भाषा लोकतांत्रिक होनी चाहिए। उन्होंने नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और सपा सरकार में किए गए जनहित के विकास कार्यों को प्रचारित-प्रसारित करने की अपील भी की।

जांच के लिए आई राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) की टीम ने रायबरेली के साथ अमेठी पहुंचकर घटनाक्रम की जांच की। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि सुबह 11 बजे आयोग की टीम मृतक शिक्षक सुनील कुमार के गांव सुदामापुर पहुंचा। परिवार से बातचीत हुई। इसके बाद टीम अमेठी भी पहुंचे।

प्रदेश में अपराधियों का मन बढ़ा : अवधेश प्रसाद

फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद शनिवार को सुदामापुर गांव पहुंचे। उन्होंने कहा कि एक बेटे के पिता को अंतिम संस्कार में शामिल होने का मौका न देना गलत है। यदि मुख्यमंत्री को मिलना ही था तो बेटे का अंतिम संस्कार हो जाने देते। यह अपराध है। प्रदेश में अपराधियों का मनोबल बढ़ा है। सपा विधायक राहुल लोधी, सपा नेता आरपी यादव भी मौजूद रहे।

रायबरेली और अमेठी पुलिस लापरवाह : स्वामी प्रसाद

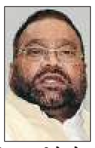

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गोला गंगाघाट पहुंचे। घटना को लेकर कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। कहा कि घटना के लिए पुलिस की लापरवाही जिम्मेदार है। प्रदेश के जंगल राज का यह एक जीता जागता नमूना है। चंदन वर्मा कुख्यात अपराधी है। उसका गैंग है। चार लोगों की हत्या के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी कर रही है। पैर में गोली मार रही है। यदि समय रहते उसकी गिरफ्तारी होती तो आज सुनील का परिवार सुरक्षित होता। पूर्व मंत्री ने अंतिम संस्कार के दिन ही शिक्षक के पिता को मुख्यमंत्री से मिलाने के लिए लखनऊ ले जाने पर नाराजगी जताई।

जम्मू-कश्मीर में आने वाली सरकार एक दंतहीन बाघ होगी : इल्तिजा मुफ्ती

» लगाया आरोप- मुख्यमंत्री एक रबर स्टांप होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आने वाली सरकार एक दंतहीन बाघ होगी, जिसका मुख्यमंत्री एक रबर स्टांप और एक नगरपालिका का गौरवशाली मेयर होगा। बिजबेहरा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने वाली मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एलजी द्वारा पांच विधायकों को नामांकित करने और मुख्य सचिव द्वारा कामकाज के नियमों में बदलाव करने से यह स्पष्ट है कि आने वाली सरकार एक दंतहीन बाघ होगी।

भारत सरकार जम्मू-कश्मीर से अधिकार और स्वायत्तता की झलक और कितनी छीन सकती है? रबर इस प्रकार से स्टाम्प सीएम, नगरपालिका का गौरवशाली मेयर होगा। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में निर्दिष्ट किया गया है कि उत्तराधिकारी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए विधानसभा में दो सदस्यों को नामित कर सकते हैं। यदि उनकी राय में, महिलाओं को विधानसभा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। जुलाई 2023 में अधिनियम में संशोधन करके, विधानसभा में तीन और सदस्यों के नामांकन की अनुमति देने के लिए एक अतिरिक्त प्रावधान किया गया था। कश्मीरी प्रवासी समुदाय से दो सदस्य, जिनमें से एक महिला होगी, और एक सदस्य पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से विस्थापित व्यक्ति से होगा।

मुख्य सचिव को सौंपा गया नियमों को बदलने का काम : उमर

नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को सरकार के कामकाज के नियमों को बदलने का काम सौंपा गया है ताकि महिलाओं के अधिकारों को कम किया जा सके। मुख्यमंत्री/निर्वाचित सरकार की शक्तियों का हनन। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में स्पष्ट रूप से हार स्वीकार कर ली है। अन्यथा मुख्य सचिव को मुख्यमंत्री/निर्वाचित सरकार की शक्तियों को कम करने और एलजी को सौंपने के लिए सरकार के कामकाज के नियमों को बदलने का काम क्यों सौंपा जाएगा?

लोगों को मोदी और भागवत से ही खतरा : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में आजकल धार्मिक आधार पर एकजुट होने के आह्वान खूब किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हिंदुओं से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। अब भारत को हिंदू राष्ट्र बताते हुए आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भाषाई, जातीय और क्षेत्रीय विवादों को मिटाकर हिंदू समाज को अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा। लेकिन उनकी यह टिप्पणी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को चुभ गयी है। भारत में ना हिंदुओं को मुसलमानों से खतरा है ना ही मुसलमानों को हिंदुओं से खतरा है।

सात साल से उप्र को लूट रही डबल इंजन की सरकार : केजरीवाल

» जनता की अदालत कार्यक्रम में भाजपा पर बरसे आप संयोजक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता का प्यार, समर्थन और विश्वास ही मेरी ईमानदारी का प्रमाण बनेगा।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट है।

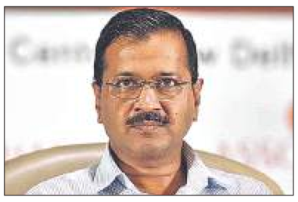

यूपी में पिछले सात साल से डबल इंजन की सरकार है, लेकिन फेल है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, इनकी (भाजपा) 22 राज्यों में सरकारें हैं। आप इनसे पूछना कि वे एक राज्य बता दें, जहां उन्होंने बिजली फ्री की हो...गुजरात में इनके 30 साल से सरकार है। उन्होंने एक भी स्कूल ठीक नहीं कराया...22 राज्यों में इनकी सरकारें हैं, एक काम ये बता दें जो इन्होंने अच्छा काम किया हो। अगली साल 17 सितंबर को पीएम मोदी रिटायर हो जाएंगे।

भाजपा एक गरीब विरोधी पार्टी : आतिशी

जनता की अदालत कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की सीएम और आप नेता आतिशी ने कहा, कि दिल्ली ही एक ऐसी जगह है, जहां भीषण गर्मी में भी 24 घंटे बिजली मिलती है और फिर भी बिल जीरो आता है, ये अरविंद केजरीवाल की दिल्ली है। भाजपा एक गरीब विरोधी पार्टी है और गरीबों को परेशान करती है। पिछले कुछ वर्षों से भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली भर में झुग्गियों को एक-एक करके ध्वस्त कर रही है, भाजपा ने छह महीने पहले वृद्धावस्था पेंशन बंद कर दी थी।

केंद्र बात करने का समय नहीं दे रहा : सोनम वांगचुक

» जंतर-मंतर में भूख हड़ताल करने की नहीं मिली अनुमति, लद्दाख भवन में साथियों के साथ बैठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शांतिपूर्ण भूख हड़ताल करने के लिए जगह न देने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसी जगह ढूंढ रहे थे जहां हम अपनी शांतिपूर्ण भूख हड़ताल कर सकें लेकिन जगह नहीं दी गई। ऐसे में हमारे पास लद्दाख भवन से भूख हड़ताल शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, जहां हमें एक तरह से हिरासत में रखा गया है।

देश के शीर्ष नेतृत्व से मिलने का आश्वासन दिया गया था, उसके लिए हमें कोई तारीख नहीं दी गई है। हमें फिर से भूख हड़ताल शुरू करने के

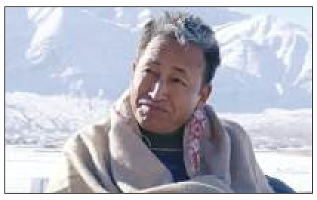

लिए मजबूर होना पड़ा। बता दें कि सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल करने की इजाजत मांगी थी, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि 30 से 32 दिनों तक चलने के बाद हम यहां आए हैं। दिल्ली में अपने देश के कुछ शीर्ष नेताओं से मिलना चाहते हैं और उनसे अपनी शिकायतें साझा करना चाहते हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा करते हुए लिखा, हमने आखिरकार लद्दाख भवन नई में अपना अनशन शुरू करने का फैसला किया है, जहां मुझे पिछले चार दिन से लगभग हिरासत में रखा गया है।

विपक्ष व कोर्ट सबके निशाने पर योगी सरकार!

सपा, बसपा व कांग्रेस का भाजपा पर तीखा प्रहार

» अभी से सजने लगी है विस चुनाव-27 की चौसर

» एनकाउंटर, कानून व्यवस्था व अभिव्यक्ति की आजादी पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे यूपी के उपचुनावों की सुगबुगाहट तेज हो रही है। विपक्ष का भाजपा की योगी सरकार पर हमले भी तीखे हो गए है। वैसे तो सारा विपक्ष मौजूदा सरकार के कामकाज को लेकर घेरता रहता है पर राज्य की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा व उसके मुखिया अखिलेश यादव ज्यादा सक्रिय रहते हैं। एनकांउटर, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं, सफाई, महंगाई, साड़ से लेकर व्रत में बढ़े फलहारों के दाम तक पर वह सरकार को आइना दिखाकर जनता के मुद्दों पर मुखर रहते हैं।

हालांकि बसपा प्रमुख मायवती, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय भी समय-समय पर योगी व मोदी सरकार पर हमला करते रहते हैं। नेताओं के अलावा कोर्ट भी अब भाजपा सरकार पर बरसने लगा। हाल ही जहां बुलडोजर, ठेलों पर नाम लिखने को लेकर योगी सरकार को झटका लग चुका है। पत्रकारों द्वारा सरकार की नीतियों में लिखे लेख पर केस दर्ज करने को भी अदालत ने गलत मानकर सरकार को फटकारा है। कुल मिलाकर पूरा विपक्ष उपचुनाव के साथ विधान सभा चुनाव 2027 पर नजर गड़ाकर भाजपा को घेरने में लगा हैं।

यूपी में जंगलराज की पराकाष्ठा है : अजय राय

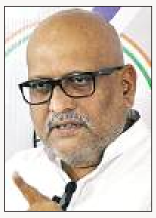

उत्तर प्रदेश के अमेठी में दलित परिवार की हत्या मामले को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राज ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उनके मुताबिक यूपी में जंगलराज है। अजय राय ने कहा, पूरे उत्तर प्रदेश में जंगलराज का माहौल है। प्रदेश में हालात बेहद गंभीर हैं। डेढ़ साल की बच्ची को गोली मारी गई, ऐसी बातें सुनना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं राजनीति में 32 साल से हूं, लेकिन इस तरह की घटना पहली बार सुन रहा हूं। यह जंगल राज की पराकाष्ठा है। इस जंगलराज में हम लोग रह रहे हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य हमारा क्या हो सकता है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के अमेठी में दलित परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में हड़कंप मचा है। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण द्वारा मंदिरों में सनातन धर्म प्रमाणीकरण वाले बयान पर उन्होंने कहा, सनातन धर्म में जो कुछ हो रहा है, जैसे प्रसाद में मिलावट या चर्बी का इस्तेमाल, इसे रोका जाना चाहिए। मोदी सरकार के आने के बाद ही इन विकृतियों में बढ़ोतरी हुई है। हमारा सनातन धर्म सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण है। भाजपा की सरकार आने के बाद ही देश में यह सब हो रहा है। इसके बाद उन्होंने राहुल गांधी की आस्था पर बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी और उनका परिवार हमेशा से सनातनी रहा है। वे भगवान की पूजा करते हैं और सनातन धर्म का मान रखते हैं।

बोलने की आजादी पर योगी सरकार पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सरकार को जमकर फटकारा है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक जर्नलिस्ट के खिलाफ सिर्फ इसलिए क्रिमिनल केस नहीं दर्ज किया जा सकता है कि उनकी लेखनी में सरकार की आलोचना है। जस्टिस ह्रषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएम भाटी की बेंच ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका पर की, जिसमें एक जर्नलिस्ट ने यूपी में अपने खिलाफ दर्ज केस को खारिज करने के लिए गुहार लगाई है। कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के लिए कहा। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर राज्य के कानून लागू करने वाले तंत्र का दुरुपयोग करके उसकी आवाज दबाने का स्पष्ट प्रयास है। आगे किसी भी तरह के उत्पीड़न को रोकने के लिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। बता दें कि 20 सितंबर को हजरतगंज थाने में पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पत्रकार अभिषेक उपाध्याय की ओर से दायर की गई याचिका में दावा किया गया कि जब उन्होंने 'यादव राज बनाम ठाकुर राज' शीर्षक से खबर की तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया।

पुलिसकर्मियों पर भी सख्त कदम उठाए सरकार : मायावती

अमेठी में बृहस्पतिवार को एक शिक्षक व उसके दो बच्चों की हत्या के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर दिए गए अपने बयान में घटना को अति दुखद और चिंताजनक करार दिया है और मांग की है कि सरकार दोषियों के साथ ही पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यूपी के अमेठी जिले में एक दलित परिवार के चार लोगों की एक साथ की गयी निर्मम हत्या की घटना अति-दुखद व चिन्ताजनक है। सरकार दोषियों व वहां के पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए ताकि अपराधी बेखौफ न रहें। अमेठी के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शिक्षक परिवार की हुई चार लोगों की सामूहिक हत्या के बाद चारों मृतकों का पोस्टमार्टम देर रात

हुआ। दो चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। दोनों बच्चों के पोस्टमार्टम पहले किए गए। उसके बाद शिक्षक और उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम हुआ। मौके पर सीओ सिटी व दो थानों की पुलिस मौजूद रही। इसके अलावा इलाके की भारी भीड़ मौजूद रही। बाकी तीन शवों का पोस्टमार्टम हो गया है। शिक्षक का पोस्टमार्टम हो रहा है। शिक्षक को तीन गोलियां लगीं, जबकि दो गोलियां पत्नी को लगी हैं। एक-एक गोली बच्चों से निकाली गई हैं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ शव रायबरेली के लिये रवाना कर दिए गए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक अन्य बयान में कहा कि देश की जेलों में भी क्रूर जातिवादी भेदभाव के तहत कैदियों से जातियों के आधार पर उनमें काम का बंटवारा कराने को अनुचित व असंवैधानिक करार देकर इस व्यवस्था में जरूरी बदलाव करने का सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भरपूर स्वागत है। उन्होंने कहा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन, मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है। अतः मजलूमों के लिए अब सत्ता प्राप्त करना जरूरी है।

प्रदेश में सफाई व्यवस्था पर सपा व भाजपा में रार

उत्तर प्रदेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी कई बार मर्यादाओं की सारी सीमाएं लांघ जाती है। राजनैतिकत प्रतिद्विंदिता में एक दूसरे पर आक्षेप करते हुए दोनों पक्षों से विवादित टिप्पणियां भी की जाती हैं। ऐसा ही नजारा शुक्रवार को सोशल मीडिया पर तब देखने को मिला जब एक मुद्दे को लेकर सपा मीडिया सेल और योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री एके शर्मा आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर तू-तू, मैं-मैं हुई। दरअसल, एके शर्मा ने पेपर की एक कटिंग शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि सपा के मुखिया और उसका मीडिया सेल दोनों मक्खी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। गंदगी देखी नहीं कि उससे चिपक गये...वाराणसी में एक कूड़ाघर पर तकनीकी कारण से एक दिन कुछ घंटों का विलंब हुआ था कूड़ा उठाने में। लेकिन यह भी सच है कि कुछ ही घंटे में उसी दिन कूड़ा उठ भी गया था। आप उस दिन यानी 27 सितंबर की फोटो 30 सितंबर को पोस्ट करके अपनी मानसिक गंदगी दिखा रहे हैं। अगर आपने अपने मुख्यमंत्री काल में इतनी चिंता की होती तो उस समय ही देश के माननीय प्रधानमंत्री जी को हाथ में झाड़ू लेकर नहीं उतरना पड़ता काशी की गलियों में। एके शर्मा की इस टिप्पणी पर सपा का सोशल मीडिया सेल भड़क गया। एक अखबार की कटिंग के साथ जवाब देते हुए सपा आईटी सेल की ओर से कहा गया, ये कल के अखबार की खबर है। संबंधित विभाग के खच्चर गर्दभ शूकर का कहना है कि सड़क बनाकर तैयार हो गई ,खच्चर गदहे शूकर ने एक वीडियो भी डाला है ,लेकिन उस शूकर गदहे को ये नहीं पता कि ये सड़क की ताजा ताजा तस्वीर है ,शूकरचंद वाहवाही तो लूटता है ,फर्जी फोटो डालता है ,अपना बचाव करता है लेकिन सच नहीं बोलता बेचारा। शूकर ये बताए कि उसके कार्यकाल में समस्त महानगरों में कूड़ा गंदगी क्यों है ? आगे कहा गया, हरामखोर ये भी बताए कि उसके

मंत्रित्वकाल में कितने सब स्टेशन बने ? कितने नए बिजली स्टेशन बने ? कितने ट्रांसफार्मर नए लगे ? ट्रांसमिशन लाइनें नई कितनी लगीं ? कितने बिजली उत्पादन केंद्र नए लगे ? कितनी बिजली का उत्पादन वर्ष 2016-17 के मुकाबले बढ़ा ? लेकिन टोंटी खोजने निकला है शूकर ,शूकर भाजपा में गया ही इसीलिए था कि वहां कमजोर टोंटी वाले जाते हैं ,जिनके घरों में पड़ोसी की टोंटी इस्तेमाल होती है और खुद टोंटे टोंटे होते हैं ,लगता है शूकर जी अपनी कमजोर ,नकारा ,पतली टोंटी को लेकर हतोत्साहित हैं इसीलिए दूसरों के यहां टोंटी खोज और बचा रहे? दोनों पक्षों में इसे लेकर जमकर पोस्ट-वॉर चला। कई तरह के पोस्ट किए गए। सवाल दोनों पक्षों की भाषा पर आ गई। एके शर्मा की ओर से ट्वीट करके कहा गया, तुम (सपा आईटी सेल) हमें भाषा सिखाओगे? मक्खी और गंदगी एक राजनीतिक कटाक्ष है। तुम लोग जो भाषा लिख रहे हो सीधा-सीधा गाली-गलौज है। सुधार तुमको करना है। माफ़ी तुमको माँगनी है। विभाग की कमी थी वो वाराणसी और कानपुर दोनों जगह जनहित में स्वीकार करके कार्यवाही भी तुम्हारे कहे बिना ही हो गई है। फिर उसको व्यक्तिगत आक्षेप तक लाना और असभ्य भाषा लिखना ये शुरुआत तुम लोगों ने किया। हम कई दिनों तक बर्दाश्त करते रहे। ख़राब शब्दों की और मसाले की कमी हमारे पास भी नहीं है। सुधार कर लो।

इस पर जवाब देते हुए सपा आईटी सेल ने लिखा, सुन तेरी भाषा और तुझसे कोई नहीं डरता ,तू अपने आपको देख ,ये गड्ढे देख ,तेरी शक्ल और तेरी अक्ल से मिलते जुलते हैं ,इन गड्ढों का डामर कौन सी टोंटी में मुंह लगाकर पी गया तू? रही बात भाषाई मर्यादा की तो सुन तेरी पार्टी भाजपा ने पिछले 10 साल में भाषाई मर्यादा की सारी सीमाएं पार करके सोशल मीडिया से लेकर राजनैतिक मंच को गंदा किया है ,अब उसी भाषा में जवाब मिल रहा तो बिलबिला रहे हो ? तुम सबके महाभ्रष्टाचार और कुशासनी राज का अंत निकटस्थ है ,बस गिने चुने दिन तुम्हारे मंत्रालय और शासन के बचे हैं ,तुम तो खैर राजनेता हो ही नहीं ,पता नहीं कौन सी टोंटी का पानी पीकर मंत्री बन बैठे हो ,औकात में रहना सीख लो और तुम क्या आज रात का समय दे रहे हो? तुम्हारे काले कारनामे कच्चे चिट्ठे के साथ रोजाना यहीं खुलेंगे ,तथ्य और तर्क एवं सबूत के साथ।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सकारात्मक तरीके से हो सोशल मीडिया का प्रयोग

> सोशल मीडिया प्लेटफार्म का चलन बढ़ा है। दुनिया एक गांव बन गई है। पर जहां ये सुविधाएं आई हैं वहीं इसके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। ये प्रभाव इतने हानिकारक हैं मानव का जीवन तक लील ले रहें है। अब सामाजिक संस्थाओं को समाज में फैलते इस जहर को रोकने के लिए कुछ सार्थक पहल करना पड़ेगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी तबाह हो जाएगी।

विज्ञान इंसान की बेहतरी के लिए बना है। इसी तरह तकनीकि भी मानवीय जरू रतों की पूर्ति का साधन होता है। पिछले एकदशक से पूरी दुनिया डिजिटली एडवांस होती जा रही है। आज कल संचार माध्यम सबकी पहुंच में है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म का चलन बढ़ा है। दुनिया एक गांव बन गई है। पर जहां ये सुविधाएं आई हैं वहीं इसके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। ये प्रभाव इतने हानिकारक हैं मानव का जीवन तक लील ले रहें है। अब सामाजिक संस्थाओं को समाज में फैलते इस जहर को रोकने के लिए कुछ सार्थक पहल करना पड़ेगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी तबाह हो जाएगी। देखा जाए तो सोशल मीडिया पर पिछले साल सवा साल से चल रहे ट्रेंड से आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं वहीं सोशल मीडिया से जुड़े लोगों में नकारात्मकता और डिप्रेशन का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। आपसी संबंधों में दरार का नया कारण सोशल मीडिया का नया चलन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ समय से फ्लैगिंग का नया ट्रेंड आया है।

पहली बात तो यह कि लोगों का सोशल मीडिया पर रुझान तेजी से बढ़ा है और इसी क्रम में सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया का दौर भी तेजी से चल ड़ है। मजे की बात यह कि सोशल मीडिया पर रिएक्शन नहीं आना भी डिप्रेशन का कारण बन रहा है तो सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का रिएक्शन भी तनाव का कारण बनती जा रही है। इन दिनों फ्लैगिंग का नया दौर चल पड़ा है पर इसमें भी अधिक तो यह कि बेज फ्लैगिंग का नया ट्रेंड साथी को अधिक प्रताड़ित करने लगा है। प्रताड़ना का मतलब तनाव का प्रमुख कारण होने से हैं। बेज फ्लैग का सीधा सीधा मतलब यह निकाला जा रहा है कि इस तरह का व्यवहार जो ना तो अच्छा है और ना ही बुरा, लेकिन इस तरह की प्रतिक्रिया संबंधित को सोचने को मजबूर कर देती है। खासतौर से इसका चलन आपसी रिश्तों को लेकर किया जा रहा हैं और इससे संबंधित में एक तरह की हीन भावना आती है और उसका दुष्परिणाम हम सब जानते ही हैं। दरअसल बेज फ्लैग जैसे रिमार्क से रिश्तों में कड़बाहट आती ही आती है। शिकागो की चिकित्सक मिशेल हर्जोग तो चेतावनी देते हुए कहती है कि ऐसे लेबलिंग से रिश्तों में खटास तय ही हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मकता का विस्तार और मोटिवेशन का माध्यम बनना चाहिए ताकि सामाजिक सरोकारों को मजबूती प्रदान की जा सके। इस भाग-दौड़, ईर्ष्या व प्रतिस्पर्धा की जिंदगी में लोगों को निराशा व तनाव से बाहर लाया जा सके। ऐसे में सोशल मीडिया में नित नए प्रयोग करते समय कुछ अधिक ही गंभीर होना होगा। खासतौर से समाज विज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरता से ध्यान देना ही होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति से मुक्त होने चाहिए विज्ञान पुरस्कार

दिनेश सी. शर्मा

एक साहसिक और विरला कदम उठाते हुए, 175 वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने देश में विज्ञान के क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान – राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार – के राजनीतिकरण पर निराशा व्यक्त की है। इस पुरस्कार की स्थापना पिछले साल केंद्र सरकार ने की थी। कुछ सप्ताह पहले, प्रथम पारितोषिक समारोह में राष्ट्रपति द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाने के तुरंत बाद चयन प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। हुआ यह कि चयन समिति द्वारा भेजे गए तीन वैज्ञानिकों के नाम पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची से गायब थे। जबकि समिति के कुछ सदस्यों ने अनौपचारिक रूप से उन्हें यह खबर बता दी थी। लेकिन बाद में उनको करारा झटका लगा। आशंका जताई गई कि उक्त विचाराधीन वैज्ञानिकों को उनके राजनीतिक विचारों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनके रुख के कारण राष्ट्रीय सम्मान से वंचित किया गया।

एतराज का पहला संकेत शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त 26 विजेताओं ने जताया था, जब उन्होंने प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति के प्रमुख अजय सूद को पत्र लिखकर जानना चाहा कि क्या पैनल की सिफारिशें ज्यों की त्यों स्वीकार की गईं या फिर सरकार ने संशोधन किया है और उन्होंने पीएसए से अंतिम निर्णय पर पहुंचने में अपनाए गए मानदंडों का खुलासा करने का अनुरोध किया। यह मामला सार्वजनिक होने के बाद, सरकार ने चयन प्रक्रिया में ही बदलाव कर दिया, जिसके चलते 175 वैज्ञानिकों ने विरोध पत्र जारी किया। वैज्ञानिकों ने 24 सितंबर को पीएसए को लिखे पत्र में कहा : 'सरकार ने चयन मानदंडों में किया गया बदलाव अपने पोर्टल पर दर्शाया है और पुरस्कार समारोह से महज चंद दिन पहले अपलोड किए गए नए प्रारूप में एक नई लाइन जोड़ी गई है कि अब आपकी अध्यक्षता वाली चयन समिति अपनी सिफारिशें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को सौंपेगी'।

चयन प्रक्रिया में किया गया यह बदलाव राजनेताओं द्वारा चयन समिति का निर्णय खारिज करने या बदलने का मार्ग प्रशस्त करता है –जबकि यह समिति व्यावहारिक रूप से भारतीय वैज्ञानिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है। समिति में वैज्ञानिक अकादमियों के अध्यक्षों के अलावा वैज्ञानिक विभागों के सचिव भी सदस्य हैं। वैज्ञानिक समुदाय को इसका आभास पहले ही हो गया था। सर्वप्रथम तो गृह मंत्रालय द्वारा समूचे वैज्ञानिक विभागों की बागडोर अपने हाथ में लेना और दर्जनों पुरस्कारों को समाप्त करना बेतुका था, जिसमें 1950 के दशक में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और अन्य स्वायत्त विज्ञान अकादमियों द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार शामिल थे। श्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्य को मान्यता देने को स्थापित किए गए पुरस्कारों और निष्पक्ष तरीकों को समाप्त करना तथा उनकी जगह एक नया सरकारी पुरस्कार शुरू करना, जिसमें कोई नकद राशि नहीं है, एक कठोर झटका है। तिस पर, नई पुरस्कार प्रक्रिया विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है। अंतिम निर्णय एक राजनीतिक पदाधिकारी पर छोड़ने का मतलब है कि पुरस्कार विजेताओं के चयन में गैर-शैक्षणिक विचारों की भूमिका रहेगी। पुरस्कारों से इतर, यह प्रसंग भारत में अकादमिक स्वतंत्रता और विज्ञान क्षेत्र के परिचालन के बारे में अहम सवाल उठाता है। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने पत्र लिखकर पुरस्कार प्रकरण को 'भारतीय विज्ञान के लिए एक अस्वस्थ घटना' ठहराकर सही किया है। वैज्ञानिकों को चिंता है कि यह होने पर मंत्रियों द्वारा 'अबाध वीटो' का उपयोग करते हुए विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों को दरकिनार करने वाला चलन कायम हो जाएगा। पत्र में यह आशंका भी जताई गई है कि सरकार को न सुहाने वाले शिक्षाविदों को न केवल पुरस्कारों से बल्कि वैज्ञानिक अनुदान, भर्ती,

पदोन्नति आदि से भी महरूम रखा जा सकता है। यह वैज्ञानिक कार्य पद्धति के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध है और वैज्ञानिक अनुसंधान के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है। सामान्यत: अपेक्षा की जाती है कि विज्ञान की किसी शाखा विशेष में एक वैज्ञानिक द्वारा प्राप्त विशिष्ट उपलब्धि को मान्यता देने में निष्पक्षता बनी रहेगी।

आमतौर पर यह काम समकक्षों द्वारा की गई समीक्षा के माध्यम से किया जाता है। शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार- जिसे अब बंद किया जा चुका है – वह सर्वोच्च सम्मान था जोकि भारतीय विज्ञान जगत की विविध धाराओं में सबसे बढ़िया कर दिखाने वाले को पारितोषिक मान्यता प्रदान करता था। पुरस्कार विजेताओं की इस सूची का मतलब है- पिछले कई दशकों में भारत के चोटी के साईंसदान। जिन्हें यह पुरस्कार मिला, उन्होंने आगे चलकर अपने-अपने संस्थान का नेतृत्व किया, नए संस्थान स्थापित किए, फंड देने वाली एजेंसियों और विज्ञान विभागों की अगुवाई भी की।

जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्रता का अतिक्रमण

डॉ. रिपुदमन गुलाटी

डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है।

सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं। निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। नि:संदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं। चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है। जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है। अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ। यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध। सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है।

कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है। पैनोप्टिकन प्रभाव एक सामाजिक सिद्धांत है जो यह बताता है कि जब लोग लगातार निगरानी में महसूस करते हैं, तो वे अपने व्यवहार को बदलने और अधिक अनुपालन करने की अधिक संभावना रखते हैं। यह शब्द जेरमी बेंथम द्वारा डिजाइन किए गए एक काल्पनिक जेल से लिया गया है, जहां एक केंद्रीय गार्ड टॉवर से सभी कैदियों को देख सकता था, जबकि कैदियों को यह नहीं पता था कि वे देखे जा रहे हैं या नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब लोग सोचते हैं कि वे निगरानी में हैं, तो वे अपने व्यवहार को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए दबाव महसूस करते हैं। यह प्रभाव सत्ता के एक नये रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह लोगों को नियंत्रित करने और उनके व्यवहार को बदलने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

निगरानी के लाभ निर्विवाद हैं। इसने अपराध, आतंकवाद और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगरानी प्रणालियों ने अपराधियों की पहचान करने, हमलों को रोकने और बीमारियों के प्रसार को ट्रैक करने में मदद की है। इसके अलावा, उन्होंने ट्रैफिक प्रवाह में सुधार, संसाधन आवंटन का अनुकूलन और सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान दिया है। हालांकि, निगरानी के संभावित नुकसान भी उतने ही घातक हैं। व्यक्तिगत डेटा का बड़े पैमाने पर संग्रह रखना, मुक्त भाषण, संगति और असंतोष पर एक गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह एक निगरानी समाज भी बना सकता है जहां व्यक्ति लगातार निगरानी महसूस करते हैं और अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता में प्रतिबंधित महसूस करते हैं। इसके अलावा, निगरानी का उपयोग भेदभावपूर्ण या दमनकारी उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, विशेष रूप से हाशिए के समूहों के खिलाफ। हाल के वर्षों में निगरानी के सबसे विवादास्पद पहलुओं में से एक सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर निगरानी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन रहा है। इन कार्यक्रमों में फोन कॉल, ईमेल और इंटरनेट खोज जैसे व्यक्तिगत डेटा का व्यापक संग्रह और विश्लेषण शामिल है। जबकि समर्थक तर्क देते हैं कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन यह नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा भी है।

निगरानी के लाभों और हानियों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए, स्पष्ट और लागू होने योग्य गोपनीयता कानून स्थापित करना आवश्यक है। इन कानूनों को निगरानी की सीमाओं को परिभाषित करना चाहिए, व्यक्तियों के गोपनीयता के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डेटा का संग्रह और उपयोग नैतिक रूप से किया जाता है। सरकारों को भी अपनी निगरानी गतिविधियों के बारे में पारदर्शी होना चाहिए। सत्ता के दुरुपयोग और निरंकुशता को रोकने के लिए निरीक्षण के अधीन होना चाहिए। कानूनी ढांचे के अलावा, गोपनीयता जागरूकता और शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। व्यक्तियों को अपने अधिकारों को समझने और अपनी गोपनीयता की रक्षा के लिए कदम उठाने के लिए सशक्त होना चाहिए। इसमें अपनी ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सचेत रहना, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के बारे में सावधान रहना शामिल है। नि:संदेह, निगरानी के युग में जीवन और स्वतंत्रता को संतुलित करना एक जटिल चुनौती है।

बच्चों को खिलाएं ये टेस्टी साउथ पकवान

डोसा

शायद ही कोई ऐसा बच्चा होगा, जिसे डोसा खाने में पसंद न हो। आप चाहें तो डोसा बनाकर इसे चटनी के साथ परोस सकते हैं। इसमें किसी प्रकार के मसाले नहीं होते। ऐसे में ये शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता है। ये प्रोटीन देता है जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इससे देर तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, ये धीरे-धीरे एनर्जी रिलीज करता है। ये हमारे बालों, हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती देता है। वेजिटेरियल लोगों के पास प्रोटीन के लिए कम स्रोत हैं, इसलिए उन्हें डोसा जरूर खाना चाहिए। इससे उन्हें काफी मात्रा में प्रोटीन मिल जाता है।

अप्पे

ये देखने में काफी क्यूट होते हैं। इसलिए बच्चे इसे काफी चाव से खाते हैं। अप्पे सूजी से बनते हैं। आप इंस्टेंट अप्पे बनाकर भी अपने बच्चे को परोस सकती हैं। बच्चे इसे टोमेटो केचअप के साथ खाना भी पसंद करते हैं।

इडली सांभर

अपने बच्चे को आप इडली सांभर भी बनाकर खिला सकते हैं। बहुत से बच्चे सांभर खाना पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में आप उन्हें इडली फ्राई करके भी परोस सकते हैं। फ्राइड इडली तो बच्चे खा ही लेते हैं। इडली एक ऐसी डिश है, जिसे दक्षिण भारत के लोग तो पसंद करते ही हैं, साथ ही साथ इसे खाने का क्रेज भारत के हर हिस्से में देखा जाता है। उत्तर भारत में तो कई रेस्टोरेंट अपने ऑथेंटिक साउथ इंडियन टेस्ट के लिए जाने जाते हैं।

पोंगल

पोंगल चावल, मूंग दाल, घी, काली मिर्च और हरी मिर्च डालकर बनाया जाता है। दक्षिण भारत में लोग इसे काफी चाव से खाते हैं। ऐसे में आप भी चाहें तो पोंगल बनाकर अपने बच्चे को खिला सकते हैं। पोंगल का न सिर्फ स्वाद कमाल का होता है, बल्कि यह पेट के लिए हल्का होता है। इस डिश में हल्के मसालों के साथ काजू भी डाला जाता है। पोंगल प्रोटीन और कार्ब्स का बेस्ट मिश्रण है। इसमें फैट्स और कैलोरी की मात्रा भी कम होती है।

उत्तपम

ये चीले की तरह से बनता है लेकिन इस का स्वाद बच्चों को पसंद आता है। नारियल की चटनी के साथ अपने बच्चे को उत्तपम बनाकर परोसें। ये बाजरे से बनता है। बाजरे में कुछ मात्रा में आयरन होता है जो बढ़ते हुए बच्चों में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाने का काम करते हैं। बाजरे को उड़द की दाल के साथ पकाने पर इसमें प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाती है। गाजर विटामिन ए से भरपूर होती है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और स्किन को चमकदार बनाने का काम करता है।

अक्सर हर माता-पिता यह चाहते हैं कि वह अपने बच्चों को पौष्टिक से पौष्टिक खाना खिलाएं ताकि बच्चों को सही पोषण मिल सके। लेकिन आजकल के बच्चे खाने से ही जी चुराते हैं। खास तौर पर अगर उनके सामने खाने में दाल, चावल, रोटी रख दी जाए तब तो वह मुंह बनाने लगते हैं। आज के समय में बच्चों को खाना खिलाना किसी टास्क से काम नहीं है। अगर आपका बच्चा भी दाल-चावल को देखकर मुंह बनाता है तो आप कुछ हेल्दी डिश बना सकते हैं जिसे आप अपने बच्चों के सामने परोस सकते हैं। ये सभी दक्षिण भारत के ऐसे पकवान है जो खाने में बहुत स्वादिष्ट होते हैं और यह काफी हेल्दी भी होते हैं। ऐसे में गर्मी के मौसम में भी आप अपने बच्चों को यह साउथ इंडियन डिश परोस सकते हैं। ये इतने स्वादिष्ट होती हैं कि बच्चे पूरी प्लेट चट कर जाएंगे।

हंसना मना है

भाई ने रसोई में गैस पर कूकर चढ़ा सेल्फी वाली पोस्ट डाली की और लिखा बीवी मायके गयी है और मुझे चाय बनानी है, कुकर में कितनी सिटी लगाऊं? किसी ने कहा-कुकर में ऑलरेडी एक सीटी लगी है और कितनी लगाएगा, किसी ने कहा बेवकूफ चाय कुकर में थोड़ी बनती है कड़ाही चढ़ा, एक बोला- पहले दो घण्टे चाय पत्ती भिगो ले, दो तीन सीटी में काम चल जाएगा, किसी ने सुझाया खिड़की पर जाके एक सीटी बजा, पड़ोसन दे जाएगी?

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना, ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर-जोर से चिल्लाया-गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए और नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

कहानी | अपनी शिक्षाओं की बोली ना लगने दें

एक नगर में रहने वाले एक पंडित जी की ख्याति दूर-दूर तक थी। पास ही के गांव में स्थित मंदिर के पुजारी का आकस्मिक निधन होने की वजह से उन्हें वहां का पुजारी नियुक्त किया गया था। एक बार वे अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए बस में चढ़े, उन्होंने कंडक्टर को किराए के रुपये दिए और सीट पर जाकर बैठ गए। कंडक्टर ने जब किराया काटकर उन्हें रुपये वापस दिए तो पंडित जी ने पाया कि कंडक्टर ने दस रुपये ज्यादा दे दिए हैं। पंडित जी ने सोचा कि थोड़ी देर बाद कंडक्टर को रुपये वापस कर दूंगा। कुछ देर बाद मन में विचार आया कि बेवजह दस रुपये जैसी मामूली रकम को लेकर परेशान हो रहे है, आखिर ये बस कंपनी वाले भी तो लाखों कमाते हैं, बेहतर है इन रूपयों को भगवान की भेंट समझकर अपने पास ही रख लिया जाए। वह इनका सदुपयोग ही करेंगे। मन में चल रहे विचारों के बीच उनका गंतव्य स्थल आ गया। बस से उतरते ही उनके कदम अचानक ठिठके, उन्होंने जेब मे हाथ डाला और दस का नोट निकाल कर कंडक्टर को देते हुए कहा, भाई तुमने मुझे किराया काटने के बाद भी दस रुपये ज्यादा दे दिए थे। कंडक्टर मुस्कराते हुए बोला, क्या आप ही गांव के मंदिर के नए पुजारी है? पंडित जी के हामी भरने पर कंडक्टर बोला, मेरे मन में कई दिनों से आपके प्रवचन सुनने की इच्छा थी, आपको बस में देखा तो ख्याल आया कि चलो देखते है कि मैं अगर ज्यादा पैसे दूं तो आप क्या करते हो.. अब मुझे विश्वास हो गया कि आपके प्रवचन जैसा ही आपका आचरण है। जिससे सभी को सीख लेनी चाहिए। यह बोलते हुए कंडक्टर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। पंडितजी बस से उतरकर पसीना-पसीना थे। उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान का आभार व्यक्त किया कि हे प्रभु! आपका लाख-लाख शुक्र है, जो आपने मुझे बचा लिया, मैने तो दस रुपये के लालच में आपकी शिक्षाओं की बोली लगा दी थी। पर आपने सही समय पर मुझे संभहलने का अवसर दे दिया। कभी कभी हम भी तुच्छ से प्रलोभन में, अपने जीवन भर की चरित्र पूंजी दांव पर लगा देते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: आज स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ: आज पार्टी-पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन: व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कर्क: परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। भूले-बिसरे साथी तथा मेहमानों के स्वागत-सम्मान पर धन का व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।

सिंह: घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या: यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला: आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं।

वृश्चिक: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु: नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। जोखिम न उठाएं।

मकर: किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ: हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन: आज व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि होगी। आरोग्य अच्छा रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

बहन ने लगाए मारपीट के आरोप तो अदनान ने की एफआईआर

इन्फ्लुएंसर और बिग बॉस ओटीटी 3 फेम अदनान शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। पिछले दिनों अदनान ने आयशा के साथ निकाह कर के अपनी नई जिंदगी शुरू की है। हालांकि, शादी के कुछ दिन बाद ही उनकी खुशियों को नजर लग गई है। अदनान की बहन ने उन पर मारपीट करने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, अब अदनान ने इन आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। शादी के बाद अदनान की बहन इफ्फत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उनकी पत्नी आयशा की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि आयशा मूल रूप से रिद्धि जाधव थीं और उन्होंने अदनान से शादी करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था। उन्होंने अदनान पर अपने और अपने ससुर के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई। अपनी बहन के दावे का जवाब देते हुए अदनान ने स्पष्टीकरण जारी किया और अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, यह तब शुरू हुआ जब मेरी बहन ने दूसरी शादी किसी ऐसे व्यक्ति से की, जिसका परिवार दहेज के रूप में दो रूम का फ्लैट और पैसे की मांग करता रहा। उन्होंने बताया कि परिवार वाले चाहते थे कि वह जबरन बहन की ननद से शादी कर ले, जिसका पहले से ही किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध था, जिसका वह समर्थन नहीं करते थे। अदनान का कहना है कि यही वजह है कि वह उनके और उनके परिवार के खिलाफ जाने लगी। उन्होंने आगे कहा कि उनकी बहन इफ्फत और उनके पति ने अलग-अलग फर्जी अकाउंट के जरिए उनके और उनकी पत्नी के बारे में बुरे कमेंट कर साइबर बुलिंग की है। अदनान ने कहा कि पिछले एक साल में उन्होंने बहन पर कई एफआईआर और एनसी दर्ज किए गए हैं। उन्हें लगता है कि कानून को काम करने में समय लगता है और अब उन्हें किसी बात का डर नहीं है। उन्हें विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा और उन्हें भारतीय न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

फिल्मों में अब सिर्फ स्टारडम से नहीं चलेगा काम : आम्रपाली

बॉलीवुड | मसाला

टीवी सीरियल्स के बाद भोजपुरी सुनेमा में अपनी धाक जमाने वालीं आम्रपाली दुबे की फिल्में को बहुत पसंद किया जाता है। मासूम से चेहरे पर चुलबुली अदाएं लिए आम्रपाली अपनी अदाकारी के जरिये लोगों का हर बार दिल जीतती हैं। कई हिट फिल्में देने वालीं आम्रपाली की हाल ही में मंगलसूत्र पहने फोटो वायरल हुई है। इसके पीछे का कारण क्या है, आइये जानते हैं। आम्रपाली दुबे की जोड़ी कई अभिनेताओं संग पसंद की जाती है, लेकिन सबसे ज्यादा उनकी कैमेस्ट्री को निरहुआ के साथ पसंद किया जाता है। एक्ट्रेस की झोली में मातृ देवो भवः फिल्म है, जिसकी उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर में हो रही है। आम्रपाली दुबे का कहना है, मैंने बहुत सी कमर्शियल फिल्में ही कि हैं और अभी भी लगातार कॉमर्शियल फिल्मों की स्क्रिप्ट ही मेरे पास आ रही है। लेकिन अब मुझे सिर्फ कमर्शियल ही नहीं, बल्कि आर्ट एंड कल्चर और सोशल जस्टिस को ध्यान में रखकर फिल्में भी करनी है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए भी जमीन से जुड़ी हुई कल्चरल फिल्में करने का भाव पैदा करना होगा। मातृ देवो भवः कुछ ऐसी ही फिल्म है, जिसपर काम करने के बाद हमें आंतरिक शांति का बोध हो रहा है। अभी तक मैंने लगभग 150 फिल्में और टीवी शो में काम किया है और कामयाबी हासिल की है, अब सिर्फ स्टारडम से काम नहीं चलने वाला। मातृ देवो भवः में आम्रपाली दुबे के अलावा महेश कुमार, अनूप अरोरा मनोज टाइगर, देव सिंह, बबलू खान, संजय पांडे, हीरा यादव, रंभा साहनी, स्वीटी सिंह राजपूत जैसे कलाकार नजर आएंगे। इनके अलावा बाल कलाकार के रूप में आरव वर्मा, सायेशा नाटेकर और अगस्त्य के भी विशेष भूमिकाओं में होंगे।

बिग बॉस के घर में नजर आएंगे शहजादा धामी

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 18 का धमाकेदार आगाज आज से होने वाला है। शो में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट की लिस्ट सामने आ चुकी है। शो के मेकर्स ने इस प्रोमो शेयर किया है। इस प्रोमो में ये रिश्ता का क्या कहलाता है एक्टर शहजादा धामी इस बार हिस्सा लेने वाले हैं। प्रोमो में कंटेस्टेंट ने बताया कि उन्होंने चार शो किए हैं और एक शो में मेकर्स ने उन्हें बेइज्जत करके शो से बाहर निकाल दिया था। उन्होंने कहा कि मेरे मुकद्दर से ज्यादा मुझे मिलेगा नहीं और किसी की दम नहीं कि मेरे मुकक्दर से कोई छीन ले। यह देखते ही लोग समझ जाते हैं कि वो शहजादा धामी ही हैं। शहजादा धमी पंजाब से हैं। शहजादा को मुझसे शादी करोगे, छोटी सरदारनी, शुभ शगुन और ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे शो में देखा जा चुका है। इन शो के अलावा शहजादा ने एक गाना भी रिलीज किया जिसका शीर्षक था शहजादा। इसके अलावा एक और गाना किस्मत भी शहजादा ने बनाया था। ये रिश्ता क्या कहलाता है शो के मेकर्स ने शहजादा पर इल्जाम लगाया था कि वह दोनों सेट पर बाकी क्रू मेंबर्स से काफी बुरा व्यवहार करते थे इसलिए मेकर्स ने उन्हें टर्मिनेट कर दिया। कई दिनों से मेकर्स के पास लगातार दोनों की शिकायतें आ रही थीं। इसलिए मेकर्स ने दोनों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्हें शो से हटाए जाने का स्टेटमेंट भी मेकर्स ने जारी किया था।

एक शो में सेट से बाहर निकाले गये थे अभिनेता

अजीबोगरीब कैफे! सांप-बिच्छुओं के साथ लोग ले रहे खाने का मजा

अपने दुनिया के तमाम अजीबोगरीब रेस्टोरेंट के बारे में सुना होगा। वियतनाम के फिश कैफे में फर्श पर मछलियां तैरती हैं और बीच में लोग खाना खाते हैं तो जापान के एक रेस्टोरेंट में खून से सनी दीवारों के बीच लोग भोजन का लुत्फ उठाते हैं। यहां पर डिनर करते समय सिर्फ मोमबत्ती या छोटा लैंप ही जलाया जाता है और माहौल को और डरावाना बनाने के लिए सभी वेटर पिशाच वाले कपड़े पहन कर खाना देने आते हैं। अब एक नया कैफे खुला है जहां लोग सांप बिच्छुओं के साथ खाने का लुत्फ उठा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां आने वालों में बच्चे सबसे ज्यादा हैं। यह कैफे मलेशिया में खुला है और इसे पहला कीड़े मकोड़ों वाला कैफे बताया जा रहा है। कैफे के मालिक याप मिंग यांग सरीसृपों यानी रेप्टाइल्स के दीवाने हैं। उनको लगता है कि सांप और छिपकलियों के साथ अच्छा वक्त बिताने से आम लोगों को उनकी कद्र होगी। लोग कुत्ते बिल्लियों की तरह उन्हें भी प्यार करेंगे। यांग ने रायटर्स को बताया कि अभी हमने सिर्फ उन जीवों को रखा है जो हमारे यहां मिलते हैं। कई दुर्लभ किस्में भी रखी हैं, जिनमें बीयर्डेड ड्रैगन, लेपर्ड गेको और कॉर्न स्नेक। यहां लोग तमाम जीवों को देखते हुए खाने का लुत्फ उठा सकेंगे। जबसे यह कैफे खुला है लोगों की भीड़ उमड़ रही है। यहां आने वालों में ज्यादातर तादात बच्चों की है। खाना पीना ऑर्डर करते समय भी वे इन्हें अपने हाथ में रखना चाहते हैं। तमाम लोग सांपों, छिपकलियों, टारनटुलस, मेंढकों, बीयर्डेड और लेपर्ड गेको के साथ सेल्फी लेते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। इससे इस कैफे के प्रति लोगों की दीवानगी और बढ़ गई है। याप ने कहा कि बहुत सारे लोग बाहर इन जंतुओं को नहीं छू सकते लेकिन उन्हें यहां हम मौका दे रहे हैं।

अजब-गजब | इस खास वजह से शुरू हुई थी प्रतियोगिता

यहां गंजों के बीच होती है रस्साकशी

जब आप स्कूल-कॉलेज में रहे होंगे, तब आपने रस्साकशी की प्रतियोगिता जरूर देखी होगी, और संभव है कि आपने उसमें भाग भी लिया हो। इस खेल में एक बेहद मोटी रस्सी को दो टीमें दोनों छोर से पकड़ी हैं और मिलकर अपनी-अपनी ओर खींचती है। जो टीम, दूसरे टीम को खींचकर बीच की लाइन के पार लेती आती है, वो जीत जाती है। पर क्या आपने कभी गंजों की रस्साकशी देखी है? एक देश है जहां सिर्फ गंजे ही इस अनोखी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं और सिर के सहारे रस्सी खींचते हैं। जापान के आमोरी में एक छोटा सा शहर है जिसका नाम है सुरुता। यहां हर साल एक प्रतियोगिता होती है जिसे Suction Cup Tug-of-War" कहते हैं। नाम से ही आपको इस प्रतियोगिता का कुछ अंदाजा तो हो गया होगा। दरअसल, इस प्रतियोगिता में एक डोरी को सक्शन कप, यानी प्लास्टिक के चिपकने वाले कप के जरिए बांधा जाता है और कप को गंजे लोग खींचते हैं। अपने सिर से खींचते हैं। दरअसल, सक्शन कप को उनके सिर पर चिपका दिया जाता है, और फिर उसी के सहारे वो रस्सी अपनी ओर खींचते हैं। जिस व्यक्ति के सिर से सक्शन कप पहले निकलता है, उसकी हार हो जाती है। लोग जीतने के लिए काफी योजनाएं बनाते हैं। बहुत लोग तो सिर पर तेल जैसे पदार्थ लगाकर आते हैं जिससे सक्शन कप तेजी से चिपक जाए। पिछले 3 सालों से, कोरोना के चलते ये प्रतियोगिता नहीं हुई थी, इसलिए जब इस साल 22 फरवरी को इसका आयोजन हुआ, तो बढ़-चढ़कर लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। इस साल मिस्टर ओटा विजेता बने हैं जिन्हें ये तीसरी बार पुरस्कार मिल रहा है। 1989 में सुरुता हागेमासू एसोसिएशन ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत की थी। उनका विश्वास था कि इस प्रतियोगिता के जरिए वो गंजों में आत्मसम्मान और कॉन्फिडेंस की भावना को जाएंगे। इसको शुरू करने के पीछे कारण ये था कि बाल झड़ जाने के बाद अक्सर मर्द खुद को हीन समझने लगते हैं और उनका मनोबल खत्म हो जाता है। ऐसे मर्दों को विजेता महसूस करवाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया गया था। देखते ही देखते इसने इतना बड़ा रूप ले लिया कि अब इसे "National Sucker Tug of War Tournament" के नाम से भी जाना जाता है।

गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़का रही है भाजपा : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझ गए

» बोले- संघ ने किया प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी क्योंकि गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझते हैं और एकजुट हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, गोवा का आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और इसके विविध और सामंजस्यपूर्ण लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य में निहित है। उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आरएसएस के एक पूर्व नेता ईसाइयों और संघ से जुड़े संगठनों को भड़काकर मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं।

गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे भारत में, संघ परिवार द्वारा इसी तरह की कार्रवाइयां बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं, जिन्हें उच्चतम स्तरों से समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने आगे कहा, गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का दोहन करते हुए लोगों को विभाजित करना - गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला। ऐसा नहीं है कि भाजपा की कोशिशों को चुनौती नहीं दी जाएगी। गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं तथा एकजुट खड़े हैं।

कांग्रेस हिंदुओं को बांटने का कर रही काम: रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर हिंदुओं को बांटने और मुसलमानों को खुश करने का आरोप लगाया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुसलमानों को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करती है। चुनावों के दौरान कांग्रेस कहती है कि उसका 15 प्रतिशत वोट शेयर (मुस्लिम समर्थन के संदर्भ में) आरक्षित है। यह पार्टी की मानसिकता को दर्शाता है। रिजिजू के ने कहा, यह सर्वविदित है कि कांग्रेस मुसलमानों को अपना वोट बैंक मानती है... यह मुसलमानों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। ऐसी सोच के बीच मुस्लिम समुदाय का विकास कैसे हो सकता है? मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि जब बाबा साहेब ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया, तब भी कांग्रेस पार्टी ने भारतीय संविधान के निर्माता को अपमानित करना जारी रखा।

राजस्थान में सरकार चल रही या सर्कस : गहलोत

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हरियाणा में चुनाव के बाद एग्जिट पोल के आंकड़ों पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों का मतलब साफ है। कांग्रेस के समर्थन में अब फिर से माहौल बन रहा है। गहलोत को हरियाणा चुनावों में सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया था। पूर्व सीएम ने हरियाणा चुनाव में रेवाड़ी, नारनौल और महेंद्रग? में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं की थीं। उन्होंने राजस्थान की स्थिति पर चिंता जाहिर की। प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि स्थिति बड़ी गंभीर है। डेंगू फैल रहा है। लोग मर रहे हैं, लेकिन पार्टी और सरकार बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है। वहीं, जोधपुर में कहीं विश्वविद्यालय हमने खोले, लेकिन उनका कोई अता-पता नहीं है। हर कार्य धीमा चल रहा है। स्थिति बड़ी नाजुक है और हम विपक्ष में हैं।

हरियाणा में बहुत बुरा हश्र होगा बीजेपी का : दिग्विजय चौटाला

» बोले- नायब सैनी अच्छे व्यक्ति उन्हें भाजपा ने फंसा दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में डबवाली विधानसभा क्षेत्र से दिग्विजय चौटाला ने कहा कि बीजेपी जा रही है, बीजेपी की बुरी पराजय प्रदेश में होने वाली है, मैं पहले दिन से कह रहा था कि बीजेपी समझ भी नहीं पाएगी जो उसका क्या हश्र होगा। चौटाला ने कहा, एक्जिट पोल 20 सीट दिखा रहे हैं, मैं 20 सीट भी नहीं मानता, मैं मानता हूं कि बीजेपी 15-16 सीट ही जीत पाएगी।

उन्होंने कहा कि बीजेपी को दूसरी पार्टियों की जरूरत तो पड़ेगी ही नहीं, क्योंकि बीजेपी चुनाव में बुरी तरह हार रही है। उन्हें ऐसी जरूरत पड़े इसके आसार ही कम नजर आ रहे हैं। चौटाला ने कहा कि नायब सिंह सैनी अच्छे व्यक्ति हैं, उन्होंने बेड़ा गर्क नहीं किया।

बेड़ा गर्क तो उनसे पहले वाले कर गए। शरीफ आदमी के गले में मरा हुआ सांप डाल दिया बीजेपी ने, जिसमें जान ही नहीं थी। चौटाला ने कहा कि मित्रता तो पहले वाले (मनोहर लाल खट्टर) से थी, लेकिन वो अफसरशाही के जरिए बीजेपी ने लोगों को परेशान किया। चौटाला ने दावा किया कि वे डबवाली की सीट पर जीत दर्ज करने वाले हैं।

भाजपा चाहती है गरीब बना रहे झारखंड : कल्पना

» बोलीं- बजट देने के मामले में राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रही केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ झामुमो विपक्षी पार्टी भाजपा पर हावी है। सिमडेगा में एक रैली के दौरान झामुमो विधायक और सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चाहती है कि झारखंड गरीब बना रहे। इसलिए भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बजट देने के मामले में झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। कल्पना ने कहा कि हॉकी जैसे खेलों में झारखंड की अपनी अलग पहचान है।

राज्य में खेल प्रतिभाएं बड़ी संख्या में हैं, लेकिन जब केंद्र के खेलो इंडिया के तहत फंड की बात आती है, तो झारखंड सबसे निचले पायदान पर है। केंद्र सारा फंड अपने

राज्यों को देता है। सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने आरोप लगाया कि खेल ही नहीं अन्य योजनाओं में भी झारखंड को भेदभाव झेलना पड़ रहा है। कल्पना सोरेन ने दावा किया कि आवास योजना के तहत झारखंड को जो फंड मिलना चाहिए, वह भी भाजपा शासित राज्यों को दिया गया। भाजपा नेता नहीं चाहते कि झारखंड के लोग शिक्षित हों या खेलों में आगे बढ़ें। वे चाहते हैं कि झारखंड हमेशा गरीब रहे। सोरेन ने दावा किया कि केंद्र झारखंड का खनिज चाहता है, लेकिन, जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केंद्र से राज्य के कोयला रॉयल्टी के बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये मांगते हैं, तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने 2019 में भाजपा को करारा जवाब दिया और आने वाले चुनाव में भी ऐसा ही होगा।

झामुमो के जवाब में भाजपा लाई गोगो दीदी योजना

झामुमो के जवाब में झारखंड भाजपा ने अपने पहले चुनावी घोषणापत्र में महिलाओं के लिए गोगो दीदी योजना शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस पर झामुमो विधायक ने कहा कि मइयां सम्मान योजना की अवधारणा झारखंड में पहली बार हेमंत सोरेन सरकार की तरफ से बनाई गई थी। इस रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने जल सहियाओं, पोषण सखियों और लाखों सखी मंडलों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। कल्पना सोरेन ने कहा कि जल सहियाओं और पोषण सखियों के मानदेय में बढ़ोत्तरी की गई है, जबकि सखी मंडल की महिलाओं को 11,000 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

भारतीय महिलाओं ने दी पाकिस्तान को मात

» टी-20 विश्व कप : पाक को 6 विकेट से रौंदा
» अरुंधति रेड्डी ने भारत की तरफ से लिए 3 विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप 2024 में पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट में अपना पहला मैच जीत लिया। दुबई में खेले गए मैच में जीत हासिल कर भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह खुली हुई है। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 105 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह प्रबल

दरअसल, विश्वकप में अपने पहले मैच में टीम को न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन दूसरे मैच में पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने कमाल की गेंदबाजी की और पाकिस्तान को 105 रन पर रोक दिया। भारत की तरफ से अरुंधति रेड्डी ने 3 विकेट लिए। श्रेयंका ने दो विकेट, जबकि रेणुका, दीप्ति और आशा को 1-1सफलता मिली। वहीं, बैटिंग करते हुए शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। अब पाकिस्तान के खिलाफ 6 विकेट से मिली जीत के बाद भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बनी हुई है। सेमीफाइनल का टिकट पाने के लिए टीम इंडिया को अपने ग्रूप स्टेज के बाकी बचे हुए मैचों को जीतना होगा। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को हर हाल में जीत हासिल करनी होगी।

टीम इंडिया ने बांग्लादेश को पहले टी-20 में धोया

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया ने अपने घर में खेली जा रही पहली टी20 सीरीज की शुरुआत शानदार तरीक से की है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने रविवार को ग्वालियर के माधव राव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में बांग्लादेश को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने इस मैच में जिस तरह की जीत हासिल की है, वो उसे पहले कभी नहीं मिली। भारतीय गेंदबाजों ने पहले अपनी धारदार गेंदबाजी से बांग्लादेश को 127 रनों पर ढेर कर दिया। बांग्लादेश का कोई बल्लेबाज भारत की धारदार गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सका। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह और वरूण चक्रवति ने तीन-तीन विकेट झटके । इस आसान से लक्ष्य को भारत ने तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की तरफ से संजू सैमसन (29), सूर्यकु मार यादव (29) और हार्दिक पांडया ने 16 गेंद में ही 39 रन जड़ दिये।

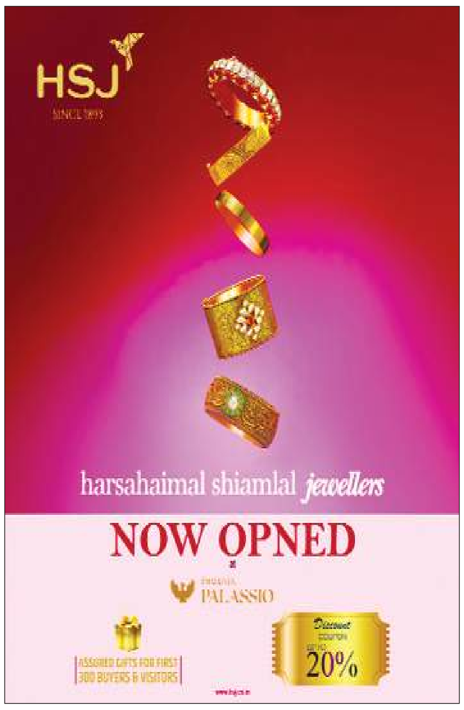

हरियाणा की सत्ता किसके हाथ कल खुलेगा राज

एक्जिट पोल में कांग्रेस की सरकार के आसार बीजेपी को बड़ा नुकसान

» जम्मू-कश्मीर में भी मतगणना मंगलवार को नेताओं की धड़कने बढ़ीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर मतदान खत्म होने के बाद दोनों राज्यों में नई सरकार के गठन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अधिकतर एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने का तो कश्मीर में त्रिशंकु विस का अनुमान लगाया है। दस साल बाद हरियाणा में सत्ता वापसी के इस संकेत के बाद कांग्रेस जहां उत्साहित है, वहीं, मुख्यमंत्री पद की दौड़ को लेकर खींचतान भी शुरू हो गई है। दूसरी ओर, एग्जिट पोल को हवा-हवाई बताकर भाजपा खुद को तीसरी बार सत्ता की दौड़ में मजबूती से शामिल होने का दावा कर रही है। भाजपा का कहना है कि आठ अक्तूबर को नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

राज्य के प्रमुख क्षेत्रीय दल इनेलो को भी पिछले चुनाव के मुकाबले सुधार की आस दिख रही है। 2019 के विस चुनाव में इनेलो एक केवल सीट पर सिमट गया था, इस बार उसे अपने पुराने वोट बैंक के साथ तीन से पांच सीट मिलने की उम्मीद है। वहीं, पिछले चुनाव की किंगमेकर बनी जनता जननायक पार्टी (जजपा) के सामने अस्तित्व बचाने का संकट है। 2019 के चुनाव में जजपा को करीब 14.9 फीसदी वोट मिला था। राज्य में लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनाने में उसका अहम रोल था।

कांग्रेस की जीत में जाटों व दलितों का रहेगा अहम रोल

एग्जिट पोल के रुझानों की मानें तो कांग्रेस की सत्ता वापसी में जाट, सिख, मुस्लिम और दलित वोटों की गुटबंदी का अहम रोल रहेगा। ओबीसी व सामान्य वर्ग का कुछ वोट भी कांग्रेस के हिस्से में आ सकता है। पिछले चुनावों की गलतियों से सीखते हुए कांग्रेस ने शुरुआत से ही पार्टी को 36 बिरादरी (हरियाणा की सभी जातियां) के रूप पेश किया। कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत जाट वोटों का लामबंद होना है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खुद को मजबूत जाट नेता दिखाकर इस वोट बैंक को क्षेत्रीय दलों में बंटने नहीं दिया। चुनाव से 48 घंटे पहले भाजपा के दलित नेता अशोक तंवर को शामिल कर कांग्रेस ने भाजपा के दलित कार्ड की रणनीति को भी परास्त करने की कोशिश की। किसान व पहलवान आंदोलन और अग्निवीर की योजना को लेकर भाजपा के खिलाफ जो नाराजगी थी, कांग्रेस को उसका भी फायदा मिलता दिख रहा है। एग्जिट पोल से उत्साहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा- लोगों ने उनकी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा की विफलताओं को देखते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है।

भाजपा अब भी उम्मीद पर कायम

एग्जिट पोल को दरकिनार करते हुए भाजपा अब भी उम्मीद पर कायम है। उसकी उम्मीद का आधार ओबीसी, सामान्य वर्ग और सरकार का लाभार्थी वोट बैंक है। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर होती तो मत प्रतिशत में बढ़ोतरी होती, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत में करीब एक फीसदी की गिरावट है। भाजपा के कैडर वोट के घर से नहीं निकलने के दावे पर पार्टी का कहना है कि इस बार पार्टी कार्यकर्ता ने 2019 के चुनाव से ज्यादा मेहनत की है। पार्टी का बूथ मैनेजमेंट कामयाब रहा है। पार्टी का दावा है कि 30 से ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। इन सीटों पर जीत हार का अंतर बहुत कम रहेगा और कुछ भी उलटफेर हो सकता है।

किसी भी जाति-सम्प्रदाय पर अपमानजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

» मुख्यमंत्री ने की प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी जाति, मत-मजहब या संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी-देवता, महापुरुषों अथवा साधु-संतों के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी-देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़-फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास हर्ष उल्लास शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद-प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें। कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों के साथ सख्ती से निपटें।

सीएम नीतीश कुमार ने भाजपा से बनाई दूरी!

» अमित शाह और चिराग पासवान की मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ा हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के बीच दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। इसी बीच लोजपा-आर अध्यक्ष चिराग पासवान ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है, जिससे बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार पिछले कुछ दिनों से बीजेपी कोटे के मंत्रियों से दूरी बनाए हुए हैं। यहां तक कि उन्होंने इन मंत्रियों से मुलाकात भी बंद कर दी है।

मुख्यमंत्री के इस रवैये से बीजेपी भी हैरान है। हालांकि, दोनों ही पार्टियां इस बारे में खुलकर कुछ नहीं बोल रही हैं। इसी बीच चिराग पासवान ने अमित शाह से मुलाकात कर सियासी पंडितों को कयास लगाने का मौका दे दिया है। चिराग ने खुद एक्स पर ट्वीट कर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि आज नई दिल्ली में देश के लोकप्रिय गृहमंत्री अमित शाह से शिष्टाचार मुलाकात किया। चिराग ने लिखा कि इस दौरान वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और आने वाले दिनों में विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चाएं हुईं। चिराग की इस मुलाकात ने बिहार के सियासी गलियारों में गर्मी बढा दी है। हालांकि, जानकार इसे झारखंड विधानसभा चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं। झारखंड में जल्द ही चुनाव होने की संभावना है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चिराग की लोजपा-आर दोनों ही दल बीजेपी के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ना चाहती हैं।

कहीं रेल की पटरियां न बेच दे एनडीए सरकार: लालू

पूर्व रेल मंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। इसके बाद बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी ने पलटवार किया और उन्हें राजनीति का सबसे भ्रष्ट व्यक्ति कह दिया। दरअसल, लालू प्रसाद ने कहा कि पिछले 10 साल से एनडीए सरकार ने रेल का किराया बढ़ा दिया गया है। प्लेटफॉर्म टिकट के दाम बढ़ा दिए गए। स्टेशन बेच दिए गए। जनरल बोगियां घटा दी। बुजुर्गों को मिलने वाला लाभ खत्म कर दिया। सेफ्टी-सिक्योरिटी घटाने पर रोज हादसे हो रहे हैं। फिर भी कहते हैं रेलवे घाटे में है। अब यह कहीं रेल की पटरियां ना बेच दें। राजद सुप्रीमो के बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव ने रांची और पटना की संपत्ति बेच दी। देश में अगर किसी रेल मंत्री ने रेलवे की संपत्ति बेचने की शुरुआत की तो वो थे लालू यादव। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लालू प्रसाद यादव राजनीति के सबसे भ्रष्ट व्यक्तियों में से एक हैं। वह वही व्यक्ति हैं जिन्होंने रेलवे के अंदर नियुक्ति घोटाला के कारण अपने पूरे परिवार को जमानत पर भेज दिया था।

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू को राहत

» सभी आरोपितों को मिली कोर्ट से जमानत, सरेंडर करना होगा पासपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में लालू प्रसाद यादव समेत सभी 9 आरोपितों को जमानत दे दी है। सोमवार को इस मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 25 अक्टूबर को होगी। सभी आरोपितों को एक लाख के निजी मुचलके पर जमानत दी गई है। कोर्ट की ओर से सभी आरोपितों को पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए भी कहा गया है।

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू, तेजस्वी यादव, मीसा भारती, लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेकर कोर्ट ने कहा था कि यादव परिवार के नाम पर जमीन का ट्रांसफर हुआ। बता दें कि लैंड फॉर जॉब मामले में पहली बार तेज प्रताप यादव को कोर्ट से समन जारी हुआ है। 18 सितंबर को ईडी की चार्जशीट पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने समन जारी किया था।

ईडी ने तेज प्रताप को नहीं बनाया था आरोपी

हालांकि ईडी ने चार्जशीट में तेज प्रताप यादव को आरोपित नहीं बनाया था, लेकिन कोर्ट ने तेज प्रताप यादव को समन जारी करते हुए कहा था तेज प्रताप यादव भी लालू यादव परिवार के सदस्य हैं और मनी लॉन्ड्रिंग में इनकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है. संज्ञान लेते वक्त कोर्ट ने कहा था कि बड़ी तादाद में जमीन का ट्रासंफर हुआ। यादव परिवार की ओर से पद का दुरुपयोग किया गया है।

आप सांसद संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी के छापे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। ईडी ने जालंधर में आप के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। सूत्र ने बताया कि हैम्पटन होम्स कॉलोनी में अरोड़ा के आवास पर छापेमारी उस जमीन के एक हिस्से के संबंध में थी जो उन्हें कुछ साल पहले पंजाब सरकार द्वारा आवंटित की गई थी।

सूत्र ने कहा, यह जमीन एक औद्योगिक परियोजना के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन समझौते का उल्लंघन कर जमीन का इस्तेमाल एक आवासीय परियोजना के लिए किया गया। वहीं संजीव अरोड़ा ने कहा कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे।

पीएम ने फिर अपना तोता खुला छोड़ दिया : सिसोदिया

ईडी की कार्रवाई पर पीएम मोदी को फटकार लगाते हुए सिसोदिया ने कहा कि संगठन ने आप नेताओं पर फिर से अपनी कठपुतलियां छोड़ दी हैं। आज फिर मोदीजी ने अपना तोता खुला छोड़ दिया है। पिछले दो सालों में उन्होंने अरविंद केजरीवाल के घर, मेरे घर, संजय सिंह के घर, सत्येंद्र जैन के घर पर छापेमारी की है... कहीं कुछ नहीं मिला। लेकिन मोदीजी की एजेंसियां एक के बाद एक फर्जी मामले बनाने में पूरी लगन से लगी हुई हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।